डेयरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CDST), राजुवास ने दाखिल किए 3 पेटेंट और 1 कॉपीराइट

RAJUVAS के कॉलेज ऑफ़ डेयरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी (CDST), डेयरी इंजीनियरिंग विभाग के **डॉ. मुकुल सैन** ने तीन पेटेंट और एक कॉपीराइट सफलतापूर्वक फ़ाइल किए हैं। ये बौद्धिक संपदा (IP) फ़ाइलिंग RAJUVAS के तहत की गई, जिसमें **माननीय कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित** और **डीन प्रो. राहुल सिंह पाल** का सहयोग रहा, जो सभी चार IP प्रोटेक्शन्स में सह-आविष्कारक के रूप में सूचीबद्ध हैं। एक पेटेंट में **डॉ. हेमंत दाधीच** व **डॉ. मनीषा माथुर** (पूर्व अधिष्ठाता, CDST) और विद्यार्थी **यश पंवार** को भी सह-आविष्कारक के रूप में मान्यता दी गई।

ये कार्य न्यूट्रास्यूटिकल डेयरी आधारित पेय पदार्थों व सतत दूध प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों से संबंधित हैं, जिनमें डेयरी प्रसंस्करण के दायरे को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने और दुग्ध बाजार को सशक्त बनाने की क्षमता है। ये नवाचार न केवल दूध और दुग्ध उत्पादों में मूल्य संवर्धन करेंगे बल्कि उपभोक्ताओं को स्वास्थ्यवर्धक विकल्प उपलब्ध कराएंगे तथा कुशल प्रसंस्करण विधियों को भी सुनिश्चित करेंगे। कार्य को **एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम (ELP)** के तहत संपन्न किया गया, जिसके दौरान **माननीय कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित ने व्यक्तिगत रूप से प्रगति की निगरानी की** और कार्यस्थल का लगातार दौरा किया। उनकी मार्गदर्शन, सुझाव और प्रेरणा ने इस परियोजना की सफल पूर्णता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉ. मुकुल सैन, जो मूल्य-वर्धित उत्पादों, नवाचारी डेयरी प्रसंस्करण प्रणालियों और सतत प्रौद्योगिकियों पर सक्रिय रूप से अनुसंधान कर रहे हैं, ने उन सभी छात्रों और कर्मचारियों का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया, जिनके समर्पित प्रयासों ने इस कार्य की सफलता में योगदान दिया। उन्होंने **माननीय कुलपति** के प्रोत्साहन की भी सराहना की। **माननीय कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित** ने **डॉ. मुकुल सैन** के कार्य और नवाचार पर गहरी संतुष्टि व्यक्त की व डॉ. सैन की मेहनत, प्रतिबद्धता और रचनात्मक सोच की सराहना की और उन्हें उज्जवल भविष्य और और भी उच्च उपलब्धियों की शुभकामनाएँ दीं।

यह उपलब्धि RAJUVAS की डेयरी अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी संस्था के रूप में प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है, और यह दिखाती है कि विश्वविद्यालय ऐसी प्रौद्योगिकियों के विकास के प्रति प्रतिबद्ध है, जो डेयरी क्षेत्र और समाज दोनों के लिए लाभकारी हों।